सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 02 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 3 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार भी रूठे, तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए, क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।

-रहीम दास

यूपी में भी पेपर लीक हो रहे हैं वहां... 7 | गुजरात में पूरी ताकत से जुटी आप... 3 | कई साल पीछे चला गया देश... 2

चौथे दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का सत्र

» लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई दो बजे तक स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के हंगामें के बाद लोकसभा की कार्यवाही चौथे दिन हंगामें के बाद सोमवार तक लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले शुक्रवार को भी अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी दल मामले की जांच की मांग पर अड़े हुए हैं। इसी मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। उधर आज सुबह 10 बजे विपक्षी दलों ने बैठक की थी। बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई।

राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित की गई थी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चीन के साथ सीमा की स्थिति पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने चर्चा के लिए राज्यसभा में नियम 267 के तहत नोटिस दिया।

जेपीसी जांच की मांग पर अड़ा विपक्ष

विपक्ष इस पर जांच की मांग कर रहा है। विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से मामले की जांच कराने की मांग पर अड़े हुए हैं। कांग्रेस 6 फरवरी को देशभर में एलआईसी और एसबीआई के कार्यालयों के सामने प्रदर्शन करेगी।

आरबीआई ने मांगी रिपोर्ट

इस बीच, आरबीआई ने सभी बैंकों से कहा है कि उनकी तरफ से अदाणी समूह की विभिन्न कंपनियोंको कितना कर्ज दिया गया है, इसका पूरा लेखा जोखा उसके समक्ष रखें। आरबीआई यह जानना चाहता है कि एक कॉरपोरेट हाउस में वित्तीय कंपनियों की तरफ से किए जाने वाल निवेश या कर्ज आवंटन में नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया गया है। सेबी भी पूरे मामले पर नजर रखे हुए है।

निराधार दावे न करें : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से कहा कि वह निराधार दावे न करें और सदन को चलने दें। प्रश्नकाल संसदीय कार्यवाही का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी कूदीं

कोलकाता। अमेरिका की हिंडनबर्ग रिसर्च एजेंसी द्वारा जाने-माने उद्योगपति गौतम अदाणी पर स्टॉक में हेरफेर और लेखा गड़बड़ी के आरोप लगाने के बाद अब इसपर सियासत भी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की चर्चित नेता महुआ मोइत्रा ने अदाणी परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अदाणी परिवार और सेबी अधिकारियों के बीच सांठगांठ हैं इसलिए मनमाने तरीके से सबकुछ किया गया। उन्होंने कहा कि सेबी की समिति में अदाणी के रिश्तेदार भी काम करते हैं जिससे इस तरह की हेराफेरी को अंजाम दिया गया। महुआ मोइत्रा ने कहा कि अदाणी के समधी मशहूर वकील सिरिल श्रॉफ सेबी की समिति में काम करते हैं। महुआ ने कहा कि सिरिल श्रॉफ की बेटी की शादी उद्योगपति गौतम अदाणी के बेटे से हुई है।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री सेंसर मामले में केंद्र से मांगा जवाब

» तीन हफ्तों में दे जवाब अप्रैल में होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को सेंसर करने से रोकने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

वरिष्ठ पत्रकार एन राम, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और एडवोकेट प्रशांत भूषण की ओर से वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह एक ऐसा मामला है, जहां सार्वजनिक डोमेन में आदेश दिए बिना आपातकालीन शक्तियां लागू की गई। उन्होंने बताया कि डॉक्यूमेंट्री के लिंक शेयर करने वाले ट्वीट ब्लॉक कर दिए गए हैं। बता दें कि इससे पहले शीर्ष अदालत ने 30 जनवरी को कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 2002 के गुजरात दंगों पर बीबीसी की विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री को बैन करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर भी अगले सोमवार को सुनवाई करेगी।

21 जनवरी को केंद्र ने लगाया था बैन

बता दें कि 21 जनवरी को केंद्र सरकार ने विवादास्पद बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया : द मोदी क्वेश्चन को देश में प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि, कई शिक्षण संस्थानों में छात्र संगठनों ने डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन को लेकर हंगामा किया है, जिस पर विवाद की स्थिति भी पैदा हुई है।

प्रतिबंध हटाने की थी मांग

सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई याचिका में याचिकाकर्ताओं ने कहा कि बीबीसी की डॉक्युमेंट्री में दिखाई गई सच्चाई से सरकार डर गई है। याचिका में कहा गया कि ये बैन द्वेषपूर्ण और मनमाना होने के साथ-साथ असंवैधानिक है। एक याचिका में तर्क दिया गया कि शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से निर्धारित किया है कि सरकार या उसकी नीतियों या यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना संप्रभुता का उल्लंघन करने के समान नहीं है।

किरेन रिजिजू ने की थी तल्ख टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट में बीबीसी डॉक्यूमेंट्री बैन के खिलाफ दायर याचिकाओं पर केंद्रीय कानून मंत्री ने तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह ये लोग माननीय सर्वोच्च न्यायालय का कीमती समय बर्बाद करते हैं, जहां हजारों आम नागरिक न्याय के लिए तारीखों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बता दें कि पत्रकार एन राम, एडवोकेट प्रशांत भूषण, TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने भी इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

कई साल पीछे चला गया देश : अखिलेश

» सरकार की गलत नीतियों से बर्बाद हुई अर्थव्यवस्था, जनहितों की हो रही अनदेखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आम बजट की खामियों पर एकबार फिर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा है कि यह बजट लोगों भ्रमित करने वाला है।

यादव ने आगे कहा कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। देश कई साल पीछे चला गया है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए केंद्र सरकार ने लोकलुभावन बजट पेश करने का ढिंढोरा पीट रही है, लेकिन भाजपा सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के बुनियादी मुद्दों को दर किनार कर दिया है। जनता का ध्यान बंटाने के लिए कुछ घोषणाएं करके चुप्पी साध ली है। उन्होंने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पर चंद पूंजीपतियों का कब्जा है। भाजपा राष्ट्रीय संपत्तियों को उन्हीं के हाथों बेच रही हैं। एक बड़े उद्योगपति का सरकारी संरक्षण की बदौलत साम्राज्य खड़ा हो गया। ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में एक फीसदी अमीरों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पर कब्जा है। देश की आधी से ज्यादा आबादी का सिर्फ 3 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में महंगाई कम करने के वादे किए, लेकिन वह यह बात भूल गए हैं। 2024 में जनता भाजपा को 80 सीटों पर हराएगी।

मानस की आपत्तिजनक पंक्तियों के खिलाफ चलता रहेगा अभियान : मौर्य

लखनऊ। श्रीरामचरित मानस पर टिप्पणी को लेकर विवादों से घिरे सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब तक इस महाकाव्य की आपत्तिजनक टिप्पणी संशोधित या प्रतिबंधित नहीं होती है तब तक इसके खिलाफ उनकी मुहिम जारी रहेगी। मौर्य ने यहां संवाददाता सम्मेलन में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट लेने के लिए दलितों और पिछड़ों को हिंदू होने का एहसास कराने और सम्मान देने की बारी आने पर उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सिलसिला बंद होना चाहिये। उन्होंने कहा कि सिर काट देने, जीभ काट देने और नाक काट देने की चाहे कितनी भी धुड़कियां मिलें, स्वामी प्रसाद मौर्य इससे डरने वाले नहीं हैं, हमने पिछड़ों और वंचितों के सम्मान की बात उठायी है, जब तक (श्री रामचरितमानस) की आपत्तिजनक टिप्पणी संशोधित या प्रतिबंधित नहीं होती तब तक यह अभियान चलता रहेगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा, हम तो दलितों और पिछड़ों को गाली खाने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं तो गाली देने वालों के पेट में दर्द हो रहा है हम अपमानित किए जाने की व्यवस्था को खत्म करना चाहते हैं तो जो लोग अपमानित करने को अपना धर्म समझते हैं, उनके पेट में दर्द हो रहा है।

टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाने दें एलजी साहब : अरविंद केजरीवाल

» पंजाब के अध्यपपकों को सिंगापुर भेजे जाने के पैसले का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर एलजी से दिल्ली के सरकारी स्कूलों के टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेजे जाने की अनुमति देने की मांग की। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के अंदर शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति हो रही है। दिल्ली की तरह ही अब पंजाब में भी सारी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एक तरफ, पंजाब सीएम भगवंत मान द्वारा पंजाब में इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक कर स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है और दूसरी तरफ टीचर्स को तैयार करने के लिए विदेश में ट्रेनिंग पर भेजा जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के 36 टीचर्स ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जा रहे, यह बहुत खुशी की बात है। मैं एलजी साहब से अपील करता हूं कि दिल्ली के टीचर्स को भी ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाने दें, दिल्ली की तर्ज पर पंजाब के सरकारी स्कूलों के 36 प्रिंसिपल 6 से 10 फरवरी तक ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जा रहे हैं, जो वापस आकर अपने स्कूल सुधारेंगे।

विश्वभारती ने ममता से कहा- आपके आशीर्वाद के बिना ही ठीक हैं

» नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन मामले में गरमाई राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। विश्व भारती विश्वविद्यालय की ओर से नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन पर अवैध रूप से भूमि पर कब्जा करने के आरोप पर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक लड़ाई में बदल गया है। इस बीच विश्वविद्यालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एक बयान जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बयान में कहा गया है कि विश्व भारती एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है।

हम आपके आशीर्वाद के बिना ही ठीक हैं, क्योंकि हमें प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिल रहा है। बयान में कहा गया कि हम मुख्यमंत्री से अनुरोध करना चाहते हैं कि वह अपने कानों से देखना बंद करें और जरा सोच विचार करें। अनुब्रत मंडल, जिसके बिना आप बीरभूम की कल्पना नहीं कर सकतीं, वह जेल में बंद हैं। ऐसे में आपको सच्चाई को स्वीकारना होगा। इससे पहले प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन के खिलाफ जमीन कब्जा करने के लगाए गए आरोपों के बीच बनर्जी ने उनका बचाव किया था। उन्होंने बीते सोमवार को भूमि संबंधी दस्तावेज अमर्त्य को सौंप दिए थे। इस दौरान सीएम ने उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को निराधार बताया था। ममता ने विश्वविद्यालय से अमर्त्य सेन से माफी मांगने को भी कहा था। वहीं, विवि के कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती ने कहा था कि हमने उन्हें एक पत्र सौंपा है और हमारा आरोप है कि लैंड डीड के अनुसार उन्हें जो जमीन आवंटित की गई थी, वह 1.25 एकड़ है, लेकिन उनका दावा 1.38 एकड़ का है।

एमएलसी चुनाव में भाजपा को मिली जीत

» सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं को दी जीत पर बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी चार सीटों पर जीत दर्ज कर लिया है। वहीं, एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। ऐसे में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता अर्जित की है। बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक सीट, गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक सीट, कानपुर-उन्नाव स्नातक खंड और झांसी-इलाहाबाद शिक्षक खंड सीट और कानपुर शिक्षक खंड सीट पर हुए चुनाव का परिणाम घोषित हो गयें है।

कानपुर शिक्षक सीट पर निर्दलीय राम बहादुर चंदेल जीत गए हैं। भाजपा के जयपाल सिंह व्यस्त ने बरेली-मुरादाबाद खंड सीट पर जीत की हैट्रिक लगाई है। चुनाव में 6728 वोट अवैध घोषित किए गए। बरेली-मुरादाबाद स्नातक खंड सीट पर हुए विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। भाजपा उम्मीदवार जयपाल सिंह व्यस्त को तीसरी बार जीत मिली है। जयपाल सिंह व्यस्त ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार शिव प्रताप सिंह को 51,257 वोटों के बड़े अंतर से हराया। जयपाल सिंह व्यस्त को कुल 66,179 वोट मिले। वहीं, सपा प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह को केवल 14,922 वोटों से संतोष करना पड़ा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद चुनाव में जीत के बाद कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने इसे भाजपा सरकार की नीतियों के आधार पर लोगों के समर्थन मिलने की बात कही है। यूपी की 5 सीटों पर हुई विधान परिषद चुनाव में भाजपा को 4 सीटों पर जीत मिलती दिख रही है। इसको लेकर पार्टी में काफी उत्साह दिख रहा है। सीएम योगी ने अपने संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के चुनाव में विजयी सभी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने इसे पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार के प्रति जनता के विश्वास की जीत करार दिया।

मतगणना के दौरान मचा हंगामा

कानपुर शिक्षक एमएलसी सीट की मतगणना के दौरान जमकर हंगामा मचा। निर्दलीय प्रत्याशी के आगे निकलने के बाद मतगणना में गड़बड़ी की बात को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। काउंटिंग हॉल में हंगामा के बाद मतगणना रोक दी है। भाजपा के जिला महामंत्री शिवराम सिंह ने जमकर हंगामा किया। काउंटिंग हॉल में भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगने लगे। इस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत तय मानी जा रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सोनिया गांधी को लिखा गया पत्र फर्जी : सिद्धारमैया

» पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके नाम से कांग्रेस आलाकमान को भेजा गया पत्र फर्जी था। कन्नड़ में लिखा गया कथित पत्र, सोनिया गांधी को संबोधित किया गया था, जिसमें टिकटों को लेकर मतभेदों के कारण पार्टी रैंकों के भीतर संभावित विद्रोह के बारे में जानकारी दी गई थी। सिद्धारमैया ने पत्र को साझा करते हुए ट्वीट किया कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम पैदा करने के इरादे से पत्र लीक किया गया है, जो अगले चुनाव में जीत की राह पर है।

सिद्धारमैया ने कहा कि पत्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ उनके संबंध को बिगाड़ने के उद्देश्य से जारी किया गया और सूचित किया कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने दोहराया कि कुछ बदमाशों ने मेरे और केपीसीसी अध्यक्ष के बीच संबंध खराब करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसा किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस पत्र से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, सिद्धारमैया के भाजपा में शामिल होने की अटकलें चल रही थीं, जब उन्होंने श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के फाइनल से खुद को अलग कर लिया था।

मेघालय में सभी सीटों पर भाजपा उतारेगी उम्मीदवार

नागालैंड विधानसभा चुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेघालय। निर्वाचन आयोग ने 18 जनवरी को 5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव की घोषणा की थी। बता दें त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में 2023 में विधानसभा चुनाव होना है। जिसको देखते हुए भाजपा ने आगामी मेघालय विधानसभा चुनाव के लिए 60 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। वहीं, पार्टी ने नागालैंड विधानसभा चुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तेमजेन इम्ना अलोंग अलोंगटकी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि हम नगालैंड की 60 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। बाकी सीटें हमारे गठबंधन सहयोगी एनडीपीपी को दी गई हैं। बता दें त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होना है। जबकि मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को वोटिंग होगी। तीनों राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का ऐलान 2 मार्च को एक साथ होगा। त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड विधानसभा चुनाव में एक समानता यह है कि तीनों राज्यों में बहुमत का आंकड़ा 31 है, क्योंकि तीनों राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या 60 है। उम्मीदवार विधानसभा चुनाव के लिए त्रिपुरा में 21 जनवरी से 30 जनवरी तक, मेघालय और नगालैंड में 31 जनवरी से 7 फरवरी तक नामांकन कर सकेंगे। नाम वापसी की आखिरी तारीख त्रिपुरा में 2 फरवरी, और मेघालय-नगालैंड में 10 फरवरी है।

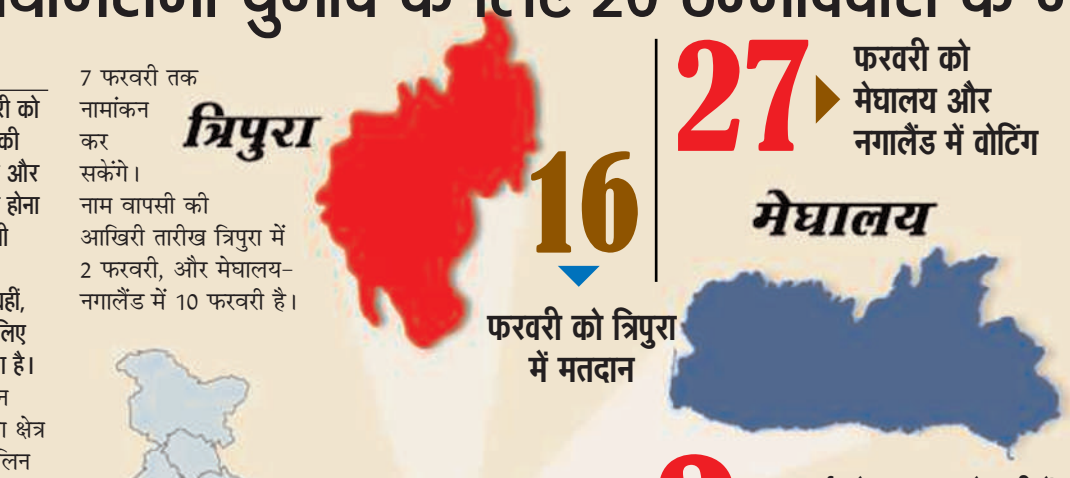

नागालैंड में एनडीपीपी पर सत्ता बचाने का दबाव

नगालैंड में नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की सरकार है। नेफ्यू रियो सीएम हैं। एनडीपीपी 2017 में अस्तित्व में आई थी। एनडीपीपी ने तब 18 और भाजपा ने 12 सीटें जीती थीं। दोनों दलों ने चुनाव से पहले गठबंधन किया था। सरकार में एनडीपीपी, भाजपा, एनपीपी और जेडीयू शामिल हैं। पिछले साल दोनों दलों ने जॉइंट स्टेटमेंट में कहा था कि एनडीपीपी 40 और भाजपा 20 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी। अब बीजेपी ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है।

मेघालय में 60 सीटें, कांग्रेस की नजर 31 पर

मेघालय में 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 21 सीटें जीती थीं। बीजेपी को यहां महज 2 सीटें ही मिल सकी थीं। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) को 19 सीटें मिली थीं। एनपीईपी ने पीडीएफ और एचएसपीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। तीनों दलों ने मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) बनाया। यहां पर 60 सीटे हैं और बहुमत के लिए 31सीटें चाहिए। कांग्रेस ने 40 और एनपीपी ने 58 उम्मीदवारों की लिस्ट पहले ही जारी कर दी है। बीजेपी ने मेघालय में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

त्रिपुरा में कांग्रेस-टीएमसी दिखाएगी ताकत

त्रिपुरा में 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। उसे 35 सीटों पर जीत मिली थी। भाजपा ने लेफ्ट के 25 साल के गढ़ को ध्वस्त कर दिया था। पहले बिप्लब कुमार देब सीएम बनाए गए थे, लेकिन मई 2022 में माणिक साहा को मुख्यमंत्री बना दिया गया। आगामी चुनाव में भाजपा को रोकने के लिए सीपीएम और कांग्रेस ने हाथ मिला लिया है। एक और बड़ी पार्टी ममता बनर्जी की टीएमसी भी है, जो त्रिपुरा चुनाव में ताल ठोकेगी।

गुजरात में पूरी ताकत से जुटी आप, तय किए 88 अध्यक्ष, असमंजस में पड़ी कांग्रेस

- मार्च के अंत तक संगठन की मजबूती का काम पूर कर लिया जाएगा : इसुदान
- हो सकती है प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर की विदाई
- नए अध्यक्ष के लिए परेश धनाणी और जीतुभाई पटेल के नाम चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में मुख्य विपक्ष दल की हैसियत गंवा चुकी कांग्रेस पार्टी जहां किंतु-परंतु में अटकी है तो वहीं आम आदमी पार्टी ताबड़तोड़ संगठन को मजबूत करने में जुटी है। एक झटके में प्रदेश की नई टीम का ऐलान करने के बाद आदमी पार्टी ने प्रदेश की 88 विधानसभाओं के लिए अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद इसुदान गढ़वी ने कहा था कि मार्च के अंत तक संगठन की मजबूती का काम पूर कर लिया जाएगा। तो वहीं कांग्रेस में विधायक दल के नेता के ऐलान के बाद कोई बड़ा फेरबलद नहीं हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर की विदाई अटकलें हैं। नए अध्यक्ष के लिए परेश धनाणी और जीतुभाई पटेल के नाम चर्चा में हैं।

पार्टी का कहना है कि बाकी 92 सीटों के विधानसभा अध्यक्ष को तय करने का काम जारी है। जल्द ही बाकी की सीटों के लिए विधानसभ अध्यक्ष घोषित किए जाएंगे। पार्टी की इस कदम को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी ने विधानसभा चुनावों में 13 फीसदी वोट और पांच सीटें मिलने के बाद प्रदेश की सभी 26 लोकसभा सीटों पर लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष अब अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन तैयार करेंगे। अगर किसी शहरी विधानसभा क्षेत्र में चार वार्ड हैं। तो नीचे तक के संगठन को तैयार करने की जिम्मेदारी अध्यक्ष की होगी। विधानसभा अध्यक्ष क्षेत्र को संगठन को बनाएगा। इससे जिले का संगठन तैयार होगा और फिर जिले के बाद लोकसभा का संगठन तैयार होगा। पार्टी के जोन वाइज बनाए कार्यकारी अध्यक्ष इसकी निगरानी करेंगे और प्रगति रिपोर्ट अध्यक्ष और संगठन को भेजेंगे।

आप को सिर्फ पांच सीटें मिली थीं विधानसभा चुनावों में

गुजरात विधानसभा चुनावों में भले ही आम आदमी पार्टी को सिर्फ पांच सीटें मिली हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी गुजरात में विस्तार को लेकर पूरी मजबूती से काम कर रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों के पार्टी ने एक खास रणनीति बनाई है, ताकि वह विपक्ष में कांग्रेस को रिप्लेस कर सके।

आप की आगे की रणनीति

आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनावों में 35 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी, हालांकि जीते प्रत्याशियों से मतों का अंतर कई सीटों पर काफी ज्यादा था। पार्टी की कोशिश है कि विधानसभा चुनावों में मिलने वोट प्रतिशत के आधार पर इन्हें तीन ग्रेड में बांटकर मेहनत की जाए और अच्छे नतीजे में बदला जाए। पार्टी के प्रत्याशी 128 सीटों पर अपनी जमानत नहीं बचा पाए थे। पार्टी इन सीटों के अलग कार्ययोजना बनाना चाहती है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी एक साल के समय संगठन को नई मजबूती तक ले जाना चाहते हैं, ताकि आप आदमी पार्टी चुनाव में कांग्रेस से ज्यादा मजबूत दिखाई दे।

पेपर लीक पर पार्टी आक्रामक

गुजरात में फिर से पेपर लीक होने पर आम आदमी पार्टी आक्रामक मूड अपनाए हुए है। पार्टी ने जूनियर क्लर्क का पर्चा लीक होने पर कड़ा हमला बोला था। विधानसभा में पार्टी के नेता चैतर वसावा ने तो मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की भी मांग की थी। तो वहीं आप की यूथ विंग इस मुद्दे पर लगतार प्रदर्शन कर रही है। बुधवार को आप गुजरात प्रदेश के युवा विंग के प्रमुख ब्रिजराज सोलंकी की अगुवाई में प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर पार्टी के युवा चेहरे निखिल सवानी के साथ वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। युवा विंग के नेताओं ने गांधीनगर स्थित गुजरात पंचायत सेवा पसंदगी बोर्ड के दफ्तर पर प्रदर्शन किया। इसके बाद सौराष्ट्र जोन के कार्यकारी अध्यक्ष राजू सोलंकी, कार्यकारी अध्यक्ष ज्वेल वसरा की मौजूदगी में ज्ञापन भी सौंपा। इसमें पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अंतरिक्ष मलबा से हो सकता है बड़ा नुकसान

पूरी दुनिया आज वायुमंडल परिवर्तन की वजह से कराह रही है। क्या धरती, क्या समुंदर, क्या जंगल, क्या पहाड़ सब जगह प्रदूषण बढ़ रही है। इस प्रदूषण से संसाधन प्रभावित हो रहे जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आकर अपनी जान भी गवां रहे हैं। पृथ्वी तो प्रदूषण से झेल ही रही है अब अंतरिक्ष में भी बढ़ रहे मलबे ने वैज्ञानिकों के माथे पर बल ला दिया है। यह चिंता उचित भी है। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह पृथ्वी के लिए नुकसानदेह है। जैसे भारत दुनिया में प्रदूषण को दूर करने लिए प्रयास कर रहा है वैसे ही अब अंतरिक्ष पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए भारत प्रयास करेगा। अंतरिक्ष मलबा सौर मंडल के खगोलीय पिंड जैसे क्षुद्रग्रह, धूमकेतु, और उल्कापिंड (बाहरी अंतरिक्ष में एक छोटी चट्टानी या धातु निकाय) में पाए जाने वाले प्राकृतिक मलबे को संदर्भित करता है। लेकिन आज के सन्दर्भ में अंतरिक्ष के मलबे में खंडित और पुराने उपग्रहों और रॉकेट के अवशेषों को भी शामिल किया जाता है क्योंकि यह अवशेष भी पृथ्वी की परिक्रमा लगाते रहते हैं और एक-दूसरे से टकराते रहते हैं। जिसकी वजह से मलबा पैदा होता है।

उधर भारत के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष पर्यावरण पर बढ़ते अंतरिक्ष के मलबों के प्रभावों को लेकर कई अध्ययन कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने गगनयान मिशन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के पास 111 पेलोड और 105 अंतरिक्ष मलबा है, जो पृथ्वी की परिक्रमा लगा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष पर्यावरण पर बढ़ते अंतरिक्ष के मलबों के प्रभावों को लेकर कई अध्ययन कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसरो और शिक्षाविदों द्वारा अंतरिक्ष मलबे से संभावित और उभरते खतरों पर अनुसंधान और अध्ययन 1990 के दशक की शुरुआत से किया जाता रहा है। इसी बीच जितेंद्र सिंह ने इसरो सिस्टम फॉर सेफ एंड सस्टेनेबल ऑपरेशंस मैनेजमेंट के बारे में भी जानकारी दी। जिसे साल 2022 में राष्ट्र को समर्पित किया गया था। इसे अंतरिक्ष मलबे को लेकर पर्यावरण के विकास की भविष्यवाणी में सुधार और अंतरिक्ष द्वारा उत्पन्न जोखिम को कम करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। उन्होंने आगे गगनयान मिशन का उल्लेख किया और बताया कि इस मिशन की उपलब्धि के बाद ही भविष्य के मिशन शुरू किए जाएंगे।

“ पृथ्वी तो प्रदूषण से झेल ही रही है अब अंतरिक्ष में भी बढ़ रहे मलबे ने वैज्ञानिकों के माथे पर बल ला दिया है। यह चिंता उचित भी है। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह पृथ्वी के लिए नुकसानदेह है। जैसे भारत दुनिया में प्रदूषण को दूर करने लिए प्रयास कर रहा है वैसे ही अब अंतरिक्ष पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए भारत प्रयास करेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई-बेरोजगारी पर भी गंभीरता जरूरी

सतीश सिंह

वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होना है, बावजूद इसके, लोकलुभावन बजट पेश करने की जगह वित्तमंत्री ने समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए हरित विकास को सुनिश्चित करने, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, आर्थिक मजबूती को बरकरार रखने, सरकारी सुविधाओं का लाभ आम जनता को मिलना सुनिश्चित करने, बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने और उपलब्ध संसाधनों के समुचित दोहन को सुनिश्चित करने की पहल बजट में की है। बजट में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए 10 लाख करोड़ का खर्च करने का प्रस्ताव किया गया है। इस क्रम में रेलवे के मद में 2.40 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। बैंकों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, इसलिए, बजट में बैंकों के कामकाज में सुधार के लिए बैंकिंग नियमन अधिनियम और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया है। हालांकि, पहले से ही सरकार बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए समीचीन कदम उठा रही है।

कोरोना काल में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर बहुत ज्यादा नकारात्मक प्रभाव पड़ा था, जिनके पुनर्वास के लिए सरकार कोरोना काल से ही प्रयास कर रही है और वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में एमएसएमई के लिये नई कर्ज गारंटी योजना शुरू करने की बात कही गई है। इसके तहत देश में मौजूद 84 हजार से अधिक स्टार्टअप्स के लिए 1 अप्रैल, 2023 से एमएसएमई को 2 लाख करोड़ रुपये तक ऋण रियायती ब्याज दर पर दिया जाएगा। बजट में कृषि क्षेत्र को ऋण देने के लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है और प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए भी आवंटन 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये से अधिक कर दिया गया है। बजट में परंपरागत हस्तशिल्प कारीगरों के लिए 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान' योजना की घोषणा की गई है, जिसके लिए वित्तीय समर्थन दिया जायेगा। साथ ही, बैंक भी इसके आवेदकों को ऋ ण मुहैया करायेंगे।

इसके अंतर्गत उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जायेगा और विपणन की गति में तेजी लाई जायेगी, ताकि उत्पादों की मांग बनी रहे। मछली पालन के लिए 6000 करोड़ रुपये की रियायती ऋण योजना शुरू की जायेगी, जिससे ग्रामीण और कस्बाई इलाके के युवा और बेरोजगार लाभान्वित होंगे। कृषि क्षेत्र और भी विकसित और मजबूत बनाने के लिए एक कोष बनाया जाएगा, क्योंकि कोरोना काल और

उसके बाद कृषि क्षेत्र ने विकास की गति को बरकरार रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। बजट में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 20 लाख करोड़ रुपये ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल के बजट में यह लक्ष्य 18.5 लाख करोड़ रुपये था। इसके अलावा, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर योजना की मदद से किसानों को खाद, बीज, बाजार आदि की जानकारी मिल सकेगी, जबकि एग्रीकल्चर एक्सीलेटर फंड के जरिये युवाओं को गांवों में स्टार्टअप शुरू करने में मदद मिलेगी। अर्थव्यवस्था में संगठित क्षेत्र का दायरा बढ़ा है, क्योंकि, कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन की सदस्यता बढ़कर 27 करोड़ हो गई है, जो दोगुनी से भी अधिक है। यह संख्या बताती है कि हमारी अर्थव्यवस्था औपचारिक हो रही है अर्थात अब कामगारों के कल्याण हेतु सरकार बेहतर तरीके से काम कर सकती है। समावेशी विकास का अर्थ होता है समाज के सभी तबके के विकास को सुनिश्चित किया जाये। इसलिए, जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए पीएमपीबीटीजी विकास मिशन शुरू करने की घोषणा बजट में की गई है। इस योजना पर आगामी 3 सालों 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। अब 7 लाख तक की सालाना आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा। यह छूट पुरानी और नई दोनों आयकर पद्धतियों के लिए लागू होगी। नई आयकर पद्धति में सरचार्ज की सीमा को 37 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत किया गया है। साथ ही, इसके तहत 15 लाख रुपये वार्षिक आय वाले व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये कर देना होगा, जो पहले 1.87 लाख रुपये देना होता था।

इसमें 50 हजार रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन का भी प्रावधान किया गया है। महिलाओं को 'महिला सम्मान बचत पत्र योजना', जो 2025 तक उपलब्ध रहेगी, के तहत 2 लाख रुपए की बचत पर 7.5 प्रतिशत का ब्याज दिया जायेगा। बुजुर्गों के लिए मासिक आय योजना के तहत निवेश की सीमा 4.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये की जाएगी। साथ ही, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना में निवेश की सीमा को भी 15 लाख से बढ़ा कर 30 लाख कर दिया गया है। बजट में 'हरित वृद्धि' में तेजी लाने के लिए जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाई जायेगी और इसके लिए 19,700 करोड़ रुपये के कोष से कार्यक्रम चलाया जाएगा। हरित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिये हरित ऋण देने की भी व्यवस्था की जायेगी।

क्या भारत पाकिस्तान में हो सकता है परमाणु युद्ध?

रंजीत कुमार

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो के दावे पर यकीन किया जाए तो दोनों देशों के बीच फरवरी, 2019 में परमाणु युद्ध छिड़ सकता था, जिसे रुकवाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। पिछले साढ़े तीन दशकों में अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसा दावा चौथी बार किया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों का यह डरावना पहलू है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा के ठेकेदारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। परमाणु बम की ताकत हासिल कर पाकिस्तान ने भारत के साथ पिछले तीन दशकों से कम तीव्रता (लो इंटेंसिटी) वाला युद्ध छेड़ रखा है। इसी रणनीति के तहत पाकिस्तानी सेना ने पुलवामा में सीआरपीएफ के 40 जवानों को शहीद किया तो गुस्साए भारत ने पाकिस्तान के भीतर बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी शिविर पर हवाई हमला किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारतीय ठिकानों पर अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-16 से हमला किया।

माइक पॉम्पियो का दावा हालिया प्रकाशित उनकी आत्मकथा 'नेवर गिव एन इंच फाइटिंग फॉर एन अमेरिका आई लव' में सामने आया है, जिस पर भारत और पाकिस्तान ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि सामरिक पर्यवेक्षक इन दावों में दम मानते हैं। दावे के मुताबिक फरवरी, 2019 में भारतीय वायुसेना की ओर से पाकिस्तान के बालाकोट आतंकवादी शिविर पर किए गए हवाई सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका पैदा हो गई थी जिसे रुकवाने के लिए उन्होंने देर रात रावलपिंडी में जनरल कमर जावेद बाजवा को फोन किया था। ताजा दावे से साफ है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कभी भी बड़े संघर्ष में बदल सकता है जो एक-दूसरे पर परमाणु हमले में भी तब्दील हो सकता है। अमेरिकी अधिकारी परमाणु युद्ध रुकवाने में अपनी भूमिका का गर्व से बखान करते हैं, लेकिन क्या उन्हें नहीं पता कि दक्षिण एशिया में छिड़े इस परमाणु युद्ध की आंच अमेरिका तक भी जाएगी? ध्यान रहे, परमाणु अप्रसार संधि के प्रणेता अमेरिका ने इराक के कथित परमाणु बमों को नेस्तनाबूद करने के नाम पर उसके खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की, उससे कुछ कम तीव्रता वाली कार्रवाई भी तब पाकिस्तान के खिलाफ की गई होती तो आज दक्षिण एशिया परमाणु युद्ध के साये में नहीं जी रहा होता।

भारत और पाकिस्तान के बीच इसके पहले 1987, 1990 और 1999 में परमाणु युद्ध छिड़ने की नौबत आ गई थी। लेकिन अमेरिकी हस्तक्षेप से इसे रोक लिया गया। 1987 में भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्रासटैक्स नाम से एक बड़ा युद्धाभ्यास पाकिस्तान से लगी राजस्थान व पंजाब सीमा पर किया था, जिसमें मेन बैटल टैंकों और तोपों से लेकर अन्य सभी किस्मों के हथियारों के साथ 60 हजार से अधिक सैनिकों ने भाग लिया था। जवाब में पाकिस्तानी सेना ने भी ऑपरेशन जर्ब-ए-मोमिन नाम का विशाल युद्धाभ्यास किया। दोनों सेनाओं द्वारा इस तरह तलवारें भांजने से तनाव काफी बढ़ गया था। तब पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर परमाणु संपन्न देश घोषित भी नहीं हुआ था, लेकिन माना जाता था कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने परमाणु बम हासिल कर लिए हैं।

इसके तीन साल बाद 1990 में दूसरी बार भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा और दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होने की आशंका अमेरिका ने जाहिर की। पत्रकार सेमूर हर्ष ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी के उप-निदेशक रिचर्ड केर के हवाले से कहा था, 'दोनों देश एक दूसरे पर परमाणु बम चलाने के काफी नजदीक पहुंच गए थे। हालात काफी खतरनाक हो गए थे। इतने कि क्यूबा मिसाइल संकट से भी भयावह स्थिति लग रही थी।' नौ साल बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव भड़का जब पाकिस्तानी सेना ने जिहादियों के भेष में सैकड़ों सैनिकों को भेजकर जम्मू-कश्मीर के करगिल में नियंत्रण रेखा पर स्थित पर्वतीय चोटियों पर चुपचाप डेरा जमा लिया था। भारतीय सेना को जब इसका पता चला तो पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई की गई। इस दौरान पाकिस्तान और भारत की ओर से एक-दूसरे पर परमाणु बम चलाने की खुलेआम धमकियां दी जाने लगीं। 4 जुलाई, 1999 को अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी राष्ट्रपति नवाज शरीफ को आमंत्रित किया।

वाजपेयी ने तो वॉशिंग्टन जाने से इनकार कर दिया, लेकिन वाइट हाउस पहुंचे नवाज शरीफ को दो टूक कहा गया कि करगिल की चोटियों से अपनी फौज जल्द से जल्द हटा ले। तब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने सेना को निर्देश दिया था कि किसी भी हालत में फौज को नियंत्रण रेखा पार नहीं करना है। पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जो भी सैन्य कार्रवाई होनी है, वह भारतीय सीमा के अंदर रहकर ही होगी। यदि भारतीय सैनिक सीमा पार करते तो दोनों देशों के बीच पूर्ण स्तर का खुला युद्ध छिड़ जाता और इसके परमाणु युद्ध में तब्दील होने की आशंका अमेरिकी अधिकारियों ने जाहिर की थी। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ प्रायोजित आतंकवाद की नीति पर चलते रहने से भारत के साथ अक्सर तनाव भड़क जाता है। भविष्य में भारत के किसी ठिकाने पर बड़ा आतंकवादी हमला भारतीय रक्षा कर्णधारों को पाकिस्तानी इलाके में जवाबी हमले के लिए उकसा सकता है। पाकिस्तान भी इसका जवाब देने को तैयार हुआ तो दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पारंपरिक युद्ध में भारत से हार का सामना करने के बाद शर्मिंदा पाकिस्तान परमाणु हमला करने से नहीं हिचकेगा। जवाब में भारत ने भी पाकिस्तान के इलाके पर परमाणु बम गिराया तो इससे अकल्पनीय तबाही पूरी पृथ्वी पर हो सकती है।

भारत को पांच जोन में बांटा गया है

भारत को पांच भूकंपीय जोनों में बांटा गया है। सबसे ज्यादा खतरनाक जोन पांच है। इस क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 9 तीव्रता का भूकंप आ सकता है। जोन-5 में पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्से, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड गुजरात में कच्छ का रन, उत्तर बिहार का कुछ हिस्सा और अंडमान निकोबार द्वीप समूह शामिल है। इस क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। जोन-4 में जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के बाकी हिस्से, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश के उत्तरी भाग, सिंधु-गंगा थाला, बिहार और पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और पश्चिमी तट के समीप महाराष्ट्र का कुछ हिस्सा और राजस्थान शामिल है। जोन-3 में केरल, गोवा, लक्षद्वीप द्वीपसमूह, उत्तर प्रदेश के बाकी हिस्से, गुजरात और पश्चिम बंगाल, पंजाब के हिस्से, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक शामिल हैं। जोन-2 भूकंप की दृष्टि से सबसे कम सक्रिय क्षेत्र है। इसे सबसे कम तबाही के खतरे वाले क्षेत्र की श्रेणी में रखा गया है। जोन-1 में देश का बाकी हिस्से शामिल हैं।

भूकंप के झटके महसूस होने पर करें ये उपाय कम होगा जान का जोखिम

अक्सर भूकंप के झटके आने पर लोग काफी घबरा जाते हैं। भूकंप आने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच जाती है। अपनी जान बचाने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगते हैं। ऐसे में हमेशा विशेषज्ञों द्वारा बताई गई बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इन बातों को ध्यान में रख कर आप भूकंप आने पर खुद को और अपनों को बचा सकते हैं। भूकंप महसूस होने पर तुरंत घर से बाहर निकल कर ऐसी जगह चलें जाएं, जहां खुला मैदान हो। जितना हो सके बिजली के खंभों, पेड़ों और बड़ी बिल्डिंगों से दूर रहे। भूकंप के समय गलती से भी लिफ्ट का इस्तेमाल ना करें। नीचे उतरने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी ऐसी बिल्डिंग में हैं जहां आस-पास कोई मैदान नही है तो टेबल या बेड के नीचे लेट जाएं। भूकंप महसूस होने पर पंखे, खिड़की, अलमारी और सभी तरह के भारी सामानों के दूर रहें। इनके गिरने से कांच लगने का खतरा रहता है। अगर आप किसी फर्नीचर के नीचे छिपे हैं तो उसे अच्छे से पकड़ लें, ताकि वो खिसके नहीं। अगर आपके आस-पास कोई मजबूत चीज नहीं है तो किसी मजबूत दीवार से सटकर सिर को किसी मोटी किताब से ढक कर घुटने के बल टेक कर बैठ जाएं। अगर आप भूकंप आने के समय गाड़ी में हैं, तो बिल्डिंग, होर्डिंग्स, खंभों, फ्लाईओवर, पुल आदि से दूर खुले मैदान में या सड़क के किनारे गाड़ी रोक लें।

क्यों आता है भूकंप?

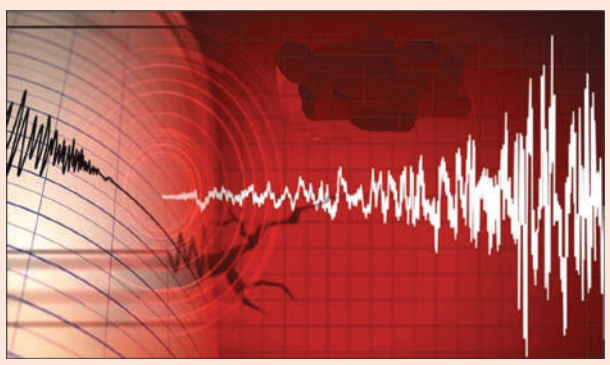

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत, वर्गों में बंटी हुई है, जिन्हें टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती हैं लेकिन जब ये बहुत ज्यादा हिल जाती हैं, तो भूकंप आ जाता है। ये प्लेट्स क्षैतिज और ऊद्धर्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इसके बाद वे अपनी जगह तलाशती हैं और ऐसे में एक प्लेट दूसरी के नीचे आ जाती है।

क्यों टकराती हैं प्लेटें?

दरअसल ये प्लेंटे बेहद धीरे-धीरे घूमती रहती हैं। इस प्रकार ये हर साल 4-5 मिमी अपने स्थान से खिसक जाती हैं। कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर हो जाती है। ऐसे में कभी-कभी ये टकरा भी जाती हैं।

क्या है नापने का पैमाना

भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है। रिक्टर स्केल पर 5 से कम तीव्रता वाले भूकंपों को हल्का माना जाता है। जबकि 2 या इससे कम तीव्रता वाले भूकंपों को रिकॉर्ड करना भी मुश्किल होता है तथा उनके झटके महसूस भी नहीं किए जाते हैं।

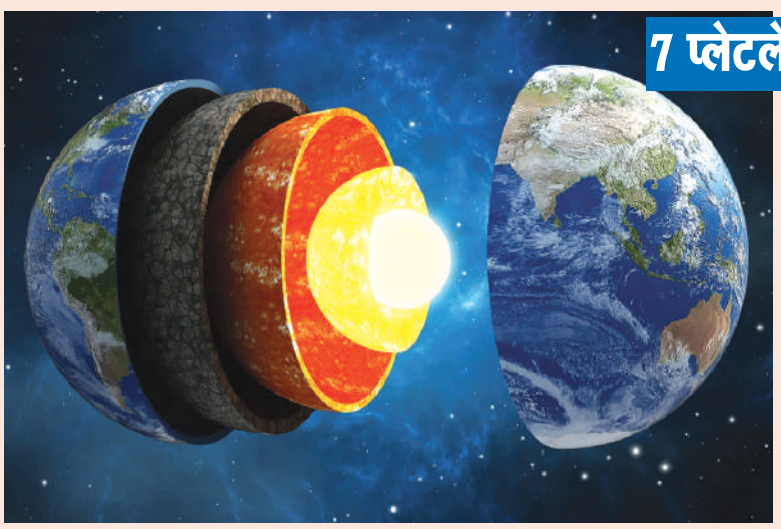

7 प्लेटलेट्स पर टिकी पृथ्वी

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी (एनसीएस) के अनुसार पृथ्वी के अंदर 7 प्लेटलेट्स हैं। यह प्लेटलेट्स लगातार घूमती रहती हैं। जिस जगह पर प्लेटलेट्स टकराते है उसे फॉल्ट लाइन कहा जाता है। इस टकराव की वजह से इन प्लेटलेट्स के कोने मुड़ने लगते हैं। इसके अलावा अधिक दबाव के कारण यह प्लेटलेट्स टूटने भी लग जाती हैं। प्लेटलेट्स टूटने के काण पैदा हुई ऊर्जा बाहर निकलने लगती है। इस कारण से पैदा होने वाली तनाव से ही भूकंप आता है।

हंसना मना है

वाईफ: जानू हम ना.. मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। जानू कितना मजा आएगा ना। हसबंड: येस, और संडे मंदिर.. वाइफ: क्यों..? हसबंड: भीख मांगने।

अमीर आदमी: आज मेरे पास 14 कार,18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी: मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी: शरम नही आती, दुसरी औरत को घुर घुर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पती: ऐसा कहा लिखा है की उपवास, हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

कहानी — हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तलाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा हुआ था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त की मदद के लिए एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस लकड़ी को पकड़कर उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ

दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन

जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क

भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला

थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु

कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ

आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन

आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है।

सिटाडेल में वरुण संग धूम मचाएंगी सामंथा रुथ प्रभु

सिटाडेल में बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और साउथ की कातिल हसीना सामंथा रुथ प्रभू भी नजर आने वाली हैं। सामंथा ने इस खास मौके का फायदा उठाते हुए सोशल मीडिया पर अपने फैंस को अपनी खौफनाक अदा दिखाते हुए पोस्ट शेयर किया है।

सिटाडेल को रुसो ब्रदर्स डायरेक्ट कर रहे हैं। सिटाडेल की शूटिंग अभी मुंबई में जारी है। सिटाडेल को इंस्टालमेंट में रिलीज किया जाएगा। ये एक स्पाइ सीरीज है जिसे Raj Nidimoru और कृष्णा डीके डायरेक्ट कर रहे हैं। सिटाडेल के साथ ही वरुण धवन ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वहीं सामंथा की बता करें तो द फेमिली मैन-2 में इससे पहले अपना ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं।

सामंथा ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि मिशन शुरू हो गया है। हमने भारत की सिटाडेल की शूटिंग शुरू कर दी है। सामंथा बेहद राउडी अवतार में दिखाई दे रही हैं। काले रंग की ब्लैक जैकेट और ब्लैक पैंड में वो गुलाम की रानी मुखर्जी की तरह दमदार लग रही हैं। उनका भौकाल देख तो हॉलीवुड की हीरोइंस भी शरमा जाएंगी।

हाल ही में सोशल मीडिया पर ये अफवाह फैली हुई थी कि सामंथा रुथ प्रभू अपनी बीमारी की वजह से सिटाडेल नहीं करेंगी। पिछले ही साल सामंथा को एक ऑटोइम्यून डिजीज हो गई थी। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की थीं। ऐसे में फैंस लगातार उनकी सेहत की दुआ मांग रहे हैं। फिलहाल तो सिटाडेल से अलग होने की खबरें बेबुनियाद हैं। वो ताबड़तोड़ काम भी कर रही हैं और अपनी बीमारी को भी मुंहतोड़ा जवाब दे रही हैं।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | ट्रेलर

ओटीटी पर फिर से धमाका करने को तैयार हैं यामी

अपने हुस्न से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने वाली फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा यामी गौतम एक बार फिर से अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हो गई हैं। दरअसल एक्ट्रेस बहुत जल्द अपनी आने वाली फिल्म लॉस्ट से तहलका मचाती हुई नजर आने वाली हैं। इस धांसू मूवी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में यामी गौतम अपने अंदाज में कहर ढाती हुई दिख रही हैं।

यामी गौतम की आने वाली फिल्म लॉस्ट के ट्रेलर में देखा जा सकता है कि यामी गौतम एक बहुत ही जबरदस्त जर्नलिस्ट के रूप में नजर आ रही हैं, जो कि एक ईशान नाम के गायब हुए लड़के की स्टोरी पर काम कर रही होती है। जर्नलिस्ट बनीं यामी को इस बात की तलाश है कि ईशान क्यों और कैसे गायब हुआ और अगर वो है तो कहां पर है? फिल्म का ट्रेलर देखने से साफतौर पर ये समझा जा सकता है कि फिल्म में जबरदस्त तरीके से पालिटिक्स, क्राइम और सस्पेंस की डोज मिलने वाली है। यामी गौतम के अलावा ट्रेलर में पंकज कपूर भी अपने अंदाज में नजर आ रहे हैं जो अपने ही स्टाइल में चीजों पर नजर रखे हुए हैं। यामी गौतम की इस आने वाली फिल्म को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज डायरेक्टर्स में शामिल अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने डायरेक्टर किया है।

बॉलीवुड | तड़का

अब आपके मोबाइल में सर्कस दिखाने आ रहे हैं रणवीर सिंह

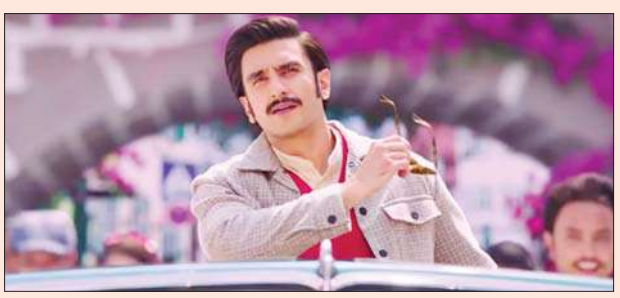

रणवीर सिंह की सर्कस बेशक बॉक्स ऑफिस पर खास धमाल न मचा पाई हो, लेकिन फैंस ने तो रणवीर की इस कॉमेडी फिल्म को भी काफी एंजॉय किया। अगर आप घर बैठे कोई एंटरटेनमेंट पैकेज देखना चाह रहे हैं यह फिल्म अच्छा टाइमपास हो सकती है। काफी समय से इसके ओटीटी रिलीज को लेकर खबरें सामने आ रही हैं। अब फिल्म की स्ट्रीम डेट भी सामने आ गई है।

खबरों की माने तो रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सर्कस की ओटीटी रिलीज के राइट्स ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। हालांकि, फिलहाल फिल्म की टीम या नेटफ्लिक्स की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

वहीं, ट्विटर हैंडल स्ट्रीमिंग अपडेट्स के मुताबिक, कहा जा रहा है कि सर्कस 17 फरवरी को स्ट्रीम होने वाली है। ऐसे में अब सर्कस के लिए रणवीर सिंह के फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ लगभग 61.47 करोड़ रुपये का ही कारोबार कर पाई है। हालांकि, अब उम्मीद की जा रही है कि फिल्म ओटीटी पर कुछ खास कमाल दिखा पाएगी।

फिल्म में दिखे ये सितारे

गौरतलब है कि फिल्म में रणवीर सिंह पहली बार डबल रोल में नजर आ रहे हैं।

दुनिया के सबसे रेडियोएक्टिव इंसान 83 दिनों तक रोता रहा खून के आंसू

एटॉमिक एनर्जी में इस्तेमाल किए जाने वाला रेडियोएक्टिव पदार्थ यूरेनियम सबसे खतरनाक माना जाता है। इसकी चपेट में आने के बाद इंसान जीवित नहीं रह पाता है। एक ऐसा ही भयानक दुर्घटना जापान के एटॉमिक प्लांट में हुआ, जिसमें एक कर्मचारी रेडिएशन के सबसे हाई लेवल की चपेट में आ गया। ऐसा रेडिएशन इंसान ने कभी नहीं झेला होगा। रेडिएशन इतना खतरनाक था कि वह शख्स 83 दिनों तक खून के आंसू रोता रहा और उसकी स्कीन गलकर गिरने लगी थी। हिसाशी ओची नामक शख्स ने टोकैमुरा एटॉमिक एनर्जी प्लांट में एक साथ ही को यूरेनियम डालने में मदद कर रहा था। आम तौर पर एक हाइड्रोलिक पंप द्वारा किया जाता है, लेकिन उनके नंगे हाथों के इस्तेमाल से कमरे में तीन लोग इस खतरनाक रेडिएशन की चपेट में आ गए। इसके बाद तुरंत ही तीनों में व्यक्तियों में जो सबसे ज्यादा रेडिएशन की चपेट में था, वह मुश्किल से सांस ले पा रहा था। वह अजीब तरीके से उल्टी कर रहा था। जब उसे अस्पताल लाया गया, तब पता चला कि उस इंसान के पास को व्हाइट ब्लड सेल्स नहीं बचा है, तो डॉक्टरों के होश उड़ गए। रेडिएशन का इफेक्ट पूरे शरीर में दिखने लगा और उसकी आंखों से खून रिस रहा था। यह तब से था जब पैंतीस वर्षीय औची की पीड़ा शुरू हुई, डॉक्टरों ने उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध जीवित रखने के लिए मेडिकल साइंस के साथ प्रभावी रूप से प्रयोग किया। ओची को 17 सीवर्ट रेडिएशन अवशोषित करने के लिए पाया गया था, जो मानव पर पहले या बाद में कभी नहीं हुआ था। अअस्पताल में डॉक्टरों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन और स्टेम सेल ग्राफ्ट के माध्यम से उसे जीवित रखने का काम किया। ऑपरेशन एक चिकित्सीय सफलता थी और उसे जीवित रखा, लेकिन ओची के लिए यह बहुत दर्दनाक था। उसने कथित तौर पर चिल्लाना जारी रखा- 'मैं इसे और नहीं ले सकता! मैं गिनी पिग नहीं हूं!' अस्पताल में अपने 59वें दिन, औची को तीन हार्ट अटैक हुए, लेकिन हर बार डॉक्टर उसके परिवार के अनुरोध पर उसे पुनर्जीवित करने में सक्षम रहे।83 दिनों की अकथनीय पीड़ा के बाद औची के शरीर ने हार मान ली और कई अंगों की विफलता के कारण उनकी मृत्यु हो गई। तकनीशियनों के पर्यवेक्षक, युताका योकोकावा ने भी उपचार प्राप्त किया, लेकिन मामूली रेडिएशन की वजह से तीन महीने बाद उन्हें छोड़ दिया गया। बाद में उन पर अक्टूबर 2000 में लापरवाही का आरोप लगाया गया।

अजब-गजब | कार से लेकर नौकर-चाकर तक, लाइफस्टाइल देख होगी जलन!

सबसे अमीर कुत्ता है 655 करोड़ का मालिक

जानवरों को प्यार करने वाले तो बहुत हैं पर क्या कोई ऐसा कुत्ता आपने सुना है जिसके पास अरबों की दौलत हो। बड़ी बड़ी गाड़ियां, महल जैसे मकान हों। नौकर-चाकर हों। उसकी रईसी इतनी ज्यादा है कि उस पर अब फिल्म भी बन गई है। तो आपको बता दें कि उसका नाम है गंथर VI। इसकी कुल संपत्ति 655 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह इटली में रहता है और इसकी देखभाल कई नौकर-चाकर करते हैं।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मन शेफर्ड प्रजाड़ित का यह कुत्ता पॉप स्टार मैडोना के पूर्व घर में शान-ओ-शौकत से जीवन बिता रहा है और एक सेलिब्रिटी की लाइफ जीता है। पर अब तक इसका जीवन एक रहस्य बना हुआ था। इसके बारे में लोगों को बहुत ज्यादा जानकारी नहीं थी। अब इसके जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री 'गंथर मिलियंस' शीर्षक से नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसमें गंथर ड्ढ्ढ के जीवन से जुड़े कई रहस्यों पर से पर्दा हटाया गया है। इसमें बताया जाएगा कि आखिर इस कुत्ते ने इतनी दौलत कहां से कमाई। इसका जीवन इतना ग्लैमरस कैसे बना।

फिल्म डायरेक्टर ऑरेलियन लेटर्गी ने कहा कि यह वास्तव में चौंकाने वाली कहानी है जो काफी बड़ी लगती है। अजीब लगता था कि कैसे एक कुत्ता इतना अमीर हो सकता है। ऐसी लाइफस्टाइल जी सकता है। हमने बहुत सारी खबरें देखीं पर वास्तव में उसकी जीवनशैली कैसी थी, इसकी पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसीलिए हम खुद उत्सुक थे। खुद उसके बारे में जानें और पूरी दुनिया को बताएं। फिल्म के लिए हमें जितनी पहुंच मिल रही उतनी आज तक किसी को नहीं मिली थी।

डॉक्?यूमेंट्री बताती है कि कुत्ते को अपनी संपत्ति जर्मन काउंटेस कारलोटा लिएबिंस्टेन से विरासत में मिली थी। लिएबिंस्टेन का बेटा जिसका नाम गंथर था, उसने खुदकुशी कर ली थी। महिला का कोई वारिस नहीं था। इसलिए उन्होंने 1992 में अपनी मौत से पहले एक ट्रस्ट बनाया और अपने प्यारे कुत्ते के लिए करीब 6.5 अरब रुपए से अधिक की संपत्ति छोड़ गईं। इतना ही नहीं, गंथर VI के दादा यानी गंथर III नामक कुत्ते को महिला के मृत बेटे के करीबी दोस्त मौरिजियो मियां की देखभाल में रखा गया था।

यूपी में भी पेपर लीक हो रहे हैं वहां तो सीबीआई जांच नहीं हुई : गहलोत

पक्ष-विपक्ष मिलकर तय करें कि भविष्य में ऐसा न हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पेपर लीक मामले में बीजेपी पर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने जमकर हमला बोला है। बीजेपी की ओर से सीबीआई जांच की मांग के मुद्दे पर सीएम गहलोत ने सदन में जवाब दिया है। सीएम ने कहा कि पेपर लीक मामले की सीबीआई क्या कर लेगी जांच करके। सीबीआई ने कोई जांच पहले भी की है क्या। कितने राज्यों में सीबीआई जांच दी गई है।

यूपी के अंदर तो एजेंसियों ने मना कर दिया कि हम तो पेपर के हाथ नहीं लगाएंगे । हम चाहेंगे कि इस पर पक्ष-विपक्ष मिलकर तय करें कि भविष्य में पेपर लीक न हो। सीएम ने कहा कि पेपर लीक राष्ट्रव्यापी मुद्दा है। इस पर सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। लगातार सरकार की घेराबंदी का प्रयास कर रही है। बीजेपी इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रही है।

राजस्थान में पेपर लीक मामले में गहलोत सरकार ने खुलकर अपनी बात रखी। वहीं बिना नाम लिए पायलट खेमे पर भी शब्दों का बाण चला दिए।

राज्यापल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते सीएम ने कहा कि पेपर लीक राष्ट्रव्यापी मुद्दा है। इस पर सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। इस दौरान सीएम गहलोत यह भी बोले कि आज ऐसा समय आ गया है कि हमारे कुछ साथी तो बेरोजगारों को लेकर ही आंदोलन शुरू करने लग जाते हैं। उन्हें नौकरी दिलाने के लिए। बेरोजगारों को भड़काते हैं। अभ्यार्थी सड़कों पर आएंगे तो वो पढ़ाई कब करेंगे, बच्चे पढ़ाई कब करेंगे। बच्चों को तो नेता मिलना चाहिए शुरू हो जाते हैं। यह स्थिति है राजस्थान में। सीएम गहलोत के इस बयान को राजनीति के जानकार सचिन पायलट गुट पर कटाक्ष के तौर पर भी देख रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बीते दिनों पायलट की सभा में पेपर लीक मामला लगातार सुर्खियों में रहा था। उल्लेखनीय है कि साल के पहले महीने यानी जनवरी में सचिन पायलट की ओर से पांच दिवसीय यात्रा की गई।

नागौर के परबतसर, हनुमानगढ़ के पीलीबंगा, झुंझुनू के गुढ़ा, पाली के समदड़ी, जयपुर के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में इस दौरान सचिन पायलट ने हजारों की संख्या में युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान पायलट ने पेपर लीक मामले में भी पीड़ा जताते हुए अपनी सरकार को भी घेरे में ले लिया। पांच दिवसीय यह सभा पायलट के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखी जा रही थी। इसमें पेपर लीक का मामला भी जमकर उठा था।

परमहंस आचार्य का नया विवाद

अहिल्या रूपी पत्थर पर चली छेनी-हथौड़ी तो आ सकती है तबाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। भगवान श्री राम लला के प्रतिमा के लिए दो विशालकाय शिला नेपाल से अयोध्या पहुंच गई हैं। अयोध्या के रामसेवक पुरम में यह दोनों विशालकाय शिलाएं रखी गई हैं। जहां अहिल्या रूपी पत्थर को भगवान श्रीराम का

स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ अब शालिग्राम पत्थर पर विवाद भी शुरू हो चुका है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अयोध्या के सबसे प्राचीन पीठ तपस्वी जी की छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य नया विवाद खड़ा कर दिया है।

रामसेवक पुरम की कार्यशाला में जब विशालकाय शिला का पूजन किया जा रहा था तभी अचानक तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य रामसेवक पुरम पहुंच गए। जहां उन्होंने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को एक पत्र दिया। जिसमें यह लिखा है, 'भगवान रामलला की मूर्ति बनाने के उद्देश्य से विशालकाय शालिग्राम शिला लाया गया है। जो भगवान राम और भगवान लक्ष्मण के स्वरूप हैं। इस शिला पर अगर हथौड़ी चलेगी तो मैं अन्न-जल त्याग कर दूंगा'।

जम्मू-कश्मीर में भी जोशीमठ जैसे हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। उत्तराखंड के जोशीमठ में सैकड़ों घरों में दरारें आ गई थी, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। अब इसी तरह के हालात जम्मू कश्मीर के डोडा में भी देखा जा रहा है, जहां कई घरों में दरारें आ गई है, और इसकी वजह से लोग भी विस्थापित हो रहे हैं

» डोडा में आई घरों में दरारें, रेड जोन घोषित

उत्तराखंड के जोशीमठ जैसे हालात अब जम्मू कश्मीर के ठठरी डोडा में भी पैदा हो रहे हैं। यहां भी दर्जनों घरों में दरारें आ गई हैं। इससे हताश लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है, ठठरी डोडा में रहने वाले कम से कम एक दर्जन परिवार को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है, इस बीच प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे इस तरह की शिकायतों से निपटने के लिए प्रशासन का सहयोग करें, बर्फबारी के बीच घरों में आ रही दरारों से आम लोगों के साथ-साथ प्रशासन की भी परेशानी बढ़ गई है, घरों में दरार की शिकायतों के बाद ठठरी एडमिनिस्ट्रेशन ने पूरे इलाके को रेड जोन घोषित कर दिया है और लोगों से उन इलाकों में जाने से मना किया है।

उपेक्षित वर्ग का पवित्र ग्रंथ है संविधान : मायावती

» कमजोर वर्गों का उत्थान रामचरितमानस व मनुस्मृति से नहीं होने वाला : बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की राजनीति में रामचरित मानस का मुद्दा गरमाया हुआ है, इस मुद्दे पर जहां बीजेपी और सपा आमने सामने हैं तो वहीं मायावती इसको लेकर दोनों ही राजनीतिक दलों पर प्रहार करने का मौका नहीं छोड़ रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने आज लखनऊ गेस्ट हाउस कांड का जिक्र कर दिया। उन्होंने ट्विटर के माध्यम से इस मामले का जिक्र कर सभी राजनीतिक दलों पर हमला किया।

उन्होंने कहा कि कमजोर व उपेक्षित वर्गों का उत्थान रामचरितमानस व मनुस्मृति आदि ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय संविधान है जिसमें बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने इनको शूद्रों की नहीं बल्कि एससी, एसटी व ओबीसी की संज्ञा दी है। अत: इन्हें शूद्र कहकर सपा इनका अपमान न करे तथा न ही संविधान की अवहेलना करे। बीएसपी प्रमुख ने आगे कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी दलितों, आदिवासियों व ओबीसी समाज के शोषण, अन्याय, नाइन्साफी तथा इन वर्गों में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि की उपेक्षा एवं तिरस्कार के मामले में कांग्रेस, भाजपा व समाजवादी पार्टी भी कोई किसी से कम नहीं।

साथ ही लखनऊ गेस्ट हाउस कांड को याद करते मायावती ने कहा हुए कहा कि सपा प्रमुख द्वारा इनकी वकालत करने से पहले उन्हें लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस के दिनांक 2 जून सन् 1995 की घटना को भी याद कर अपने गिरेबान में जरूर झांककर देखना चाहिए, जब सीएम बनने जा रही एक दलित की बेटी पर सपा सरकार में जानलेवा हमला कराया गया था।

उन्होंने कहा कि वैसे भी यह जगज़ाहिर है कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों आदि के आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान की क़द्र बीएसपी में ही हमेशा से निहित व सुरक्षित है, जबकि बाकी पार्टियां इनके वोटों के स्वार्थ की खातिर किस्म-किस्म की नाटकबाजी ही ज्यादा करती रहती हैं।

ट्रैक्टर ने ऑटो में मारी टक्कर, दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर । गोरखपुर शहर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के कठउर गांव के पास बंधे पर मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्राली ने आटो में टक्कर मार दी। इससे आटो सवारी समेत पलट गया। पुलिस आसपास के लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल पांच सवारियों को लेकर जिला अस्पताल पहुंची, जहां डाक्टरों ने बड़गो के संजय यादव को मृत घोषित कर दिया। इसी गांव के आश मोहम्मद और झंगहा के अछैवर को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

बीच रास्ते में आश मोहम्मद की भी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक संजय के भाई रंजीत यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। चालक समेत ट्रैक्टर-ट्राली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। उधर, घटनास्थल पर मौजूद रहे आसपास के लोगों ने बताया कि बंधे पर अवैध रूप से मिट्टी लादकर वाहनों का दिन-रात आना-जाना लगा रहता है।

बता दें कि सुबह कठउर बंधे पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली मिट्टी लादकर ट्रांसपोर्ट नगर की तरफ जा रही थी। कठउर गांव के पास अनियंत्रित हो सामने से आ रहे आटो में टक्कर मार दी। आटो सवारी समेत बंधे के किनारे पलट गया। आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद पुलिस के सिपुर्द कर दिया। उधर, गंभीर रूप से घायलों में दो की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंझरिया बिस्टौली के गोधन व बड़गो के चंद्रकेतु का उपचार सदर अस्पताल में चल रहा है।

अवैध खनन पर नहीं लग रही रोक

मिट्टी के अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग पा रही है। पुलिस की मिलीभगत से रात के अंधेरे व दिन के उजाले में भी यह फल-फूल रहा है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में शाम सात बजते ही सड़कों पर मिट्टी लदे डंपर के साथ ट्रैक्टर-ट्राली दौड़ने लगती हैं। इनकी तेज रफ्तार से राहगीर हर वक्त सहमे रहते हैं। पुलिस सब देखते हुए भी मूकदर्शक बनी रहती है। हादसा होने पर पुलिस खनन विभाग व प्रशासन का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेती है।

“ मिट्टी खनन के अवैध कारोबार को बंद कराया जाएगा। अभियान चलाकर पुलिस वाहनों की जांच करेगी। साथ ही रायल्टी नहीं होने पर वाहनों को सीज कराया जाएगा। – कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस अधीक्षक नगर

भाजपा एमएलसी के दबाव में अब तक नहीं खुल सका छात्रा की मौत का सच

» एसआर ग्लोबल पहुंची पुलिस टीम ने क्राइम सीन को किया रिक्रिएट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के बक्शी का तालाब स्थित एसआर ग्लोबल स्कूल की छात्रा प्रिया राठौर (13) की मौत की गुत्थी एक पखवाड़ा बीतने के बाद भी सुलझ नहीं पाई है। हालांकि मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने विशेषज्ञों के साथ स्कूल में क्राइम सीन दोहराया। उधर पीड़ितों ने मामले की जांच करने में देरी होने पर एतराज जताया है। उ सूत्रों के अनुसार पुलिस इस मामले को इसलिए टाल रही है क्योंकि यह कालेज भाजपा एमएली पवन सिंह चौहान का है।

उधर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर सीन रिक्रिएट किया। हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से पांच बार पुतला फेंका गया। इसकी वीडियो ग्राफी की गई। पहली बार में पुतला ठीक वहीं गिरा, जहां प्रिया गिरी थी। अन्य बिन्दुओं पर जांच के लिये पुतले को चार बार और गिराया गया। जालौन निवासी प्रिया के पिता जशराम ने कहा कि बेटी खुदकुशी नहीं कर सकती और हत्या का आरोप लगाया है। अब इसकी मदद से फॉरेंसिक एक्सपर्ट विश्लेषण कर रिपोर्ट पुलिस को देंगे। फॉरेंसिक एक्सपर्ट हत्या, हादसे और आत्महत्या के पहलू पर ही जांच कर रहे हैं। डीसीपी कासिम आब्दी विशेषज्ञों की टीम के साथ स्कूल पहुंचे। प्रिया के वजन के बराबर पुतला तैयार किया था। इसे ऊपर से पांच बार फेंका गया। पहली बार में जहां प्रिया गिरी वहीं गिरा। दूसरी बार में कुछ दूरी पर और तीसरी बार में पुतला पेड़ से टकरा गया, जिससे उसका हाथ टूट गया था। विशेषज्ञों ने पाया कि यह दीवार से ढाई फिट दूर गिरा था। पांच बार गिरे पुतले की जगह नापी गई। डीसीपी नॉर्थ एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने क्राइम सीन दोहराया है। एक-एक बिंदु की तफ्तीश की है। अब जो वह रिपोर्ट देंगे उस दिशा में जांच की जाएगी। छात्रा के पिता जसराम ने क्राइम सीन दोहराने के दौरान आरोप लगाया कि प्रिया का वजन करीब 35 किलो था। जबकि पुतला 15 से 20 किलो था। जिससे क्राइम सीन दोहराने के दौरान पुतला गिरने की सही जगह का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

पिता जसराम और स्कूल प्रशासन के बीच कहासुनी

क्राइम सीन दोहराने के दौरान पिता जसराम और स्कूल प्रशासन के बीच कहासुनी हुई। जसराम ने कहा कि बेटी की हत्या हुई है। उन्होंने कहा कि बेटी की जींस पर खून कहां से आया। एक कर्मचारी ने कहा कि सुबह हाथ की नस काट ली थी। इस जसराम भड़क गए और कहा कि स्कूल रोज अपने बयान बदल रहा है, यदि उसने नस काटी थी तो स्कूल ने उसी दिन क्यों नहीं बताया। मौत के बाद क्यों बता रहे हैं। वाइस प्रिंसिपल शालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि स्कूल टीम भी इस बिंदु पर जांच कर रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने बताया कि पुतले को हत्या, हादसा और आत्महत्या के बिंदु के आधार पर छत से फेंका गया। इसमें पहली बार में उसको धक्का दिया गया। दूसरी बार में स्लिप कर गिराया गया, जबकि तीसरी बार में इस तरह फेंका गया, जैसे कोई ऊंचाई से कूदा हो। जानकारी के मुताबिक शुरुआत में कुछ तथ्य ऐसे सामने आएं, जिससे स्थिति स्पष्ट होना बेहद मुश्किल है। फॉरेंसिक टीम एक से दो सप्ताह में रिपोर्ट पुलिस को सौंपेगी। प्रिया की मौत के मामले की जांच कर रही पुलिस ने उसकी सोशल मीडिया के एकाउंट खंगाले। जिसमें से इंस्टाग्राम की कुछ चैट मिली। वहीं एसआर इंस्टीट्यूट से बीटेक कर रहीं दो छात्राएं पुलिस के सामने आई हैं। दावा किया है कि उन्होंने उस रात किसी के चीखने की आवाज सुनी थीं। डीसीपी नॉर्थ एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि छात्रा के पास मोबाइल नहीं था। इसलिए सर्विलांस की मदद से कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी। उसके सोशल मीडिया के एकाउंट मिले हैं। जिस दिन वारदात हुई उस वक्त वह हॉस्टल में थी। इसलिए उस दिन सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना संभव नहीं था। उसकी पुरानी चैट को खंगाला जा रहा है। जो दो छात्राएं सामने आई हैं उनके बयान दर्ज किए गए हैं। एक छात्रा बीटेक प्रथम वर्ष व दूसरी तृतीय वर्ष की है। प्रिया के पिता जसराम व अन्य परिजनों की मौजूदगी में क्राइम सीन दोहराया गया। जसराम से पुलिस जांच से संतुष्ट न होने की बात कही। उनका कहना है कि वह बेटी के लिए न्याय चाहते हैं। जिससे किसी और की बेटी के साथ ऐसा न हो।

फोटो :4 पीएम

विरोध बीजेपी के सिख समुदाय के कुछ लोग विरोध में अखिलेश यादव को रामचरितमानस भेंट करने आए लेकिन अखिलेश यादव ना मिलने के कारण पार्टी कार्यालय के बाहर सपा पार्टी कार्यकर्ता और बीजेपी के सिख समुदाय के बीच हुई नोक झोक हो गई। मौके पर गौतम पल्ली पुलिस भी पहुंची।

डॉ. अजय पाल बने पुलिस अधीक्षक जौनपुर

» 11 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने शुक्रवार को 11 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। डॉ.अजय पाल को पुलिस अधीक्षक जौनपुर बनाया गया, वह अब तक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय 112 पर तैनात थे। अनंत देव को भी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज पद पर तैनाती दी गई है। अनंत देव अब तक मुख्यालय में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर थे।

अजय साहनी पुलिस उमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के पद तैनात थे उन्हें पुलिस महानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र भेजा गया है। तबादलों के क्रम में पुलिस अधीक्षक मुख्यालय में तैनात पवन कुमार को इसी पद पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स मुख्यालय भेजा गया है। शिवहरि मीना को पुलिस अधीक्षक मुख्यालय से पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम लखनऊ, रोहन प्रमोद बोत्रे पुलिस अधीक्षक मुख्यालय से पुलिस अधीक्षक महिला व बाल सुरक्षा संगठन लखनऊ, दिनेश त्रिपाठी पुलिस अधीक्षक मुख्यालय से पुलिस अधीक्षक 112 मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक मुख्यालय से विनीत अग्रवाल को पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ, यहीं के कमलेश कुमार दीक्षित को पुलिस अधीक्षक रुल्स व मैनुअल्स लखनऊ में तैनाती दी गई है। पुलिस अधीक्षक मुख्यालय में तैनात जयप्रकाश सिंह को पुलिस अधीक्षक सुरक्षा मुख्यालयकी जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस अधीक्षक मुख्यालय में ही रहीं सुनीति को पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशासन मुख्यालय महानिदेशक भेजा गया है। लंबे समय से महत्वहीन पदों पर तैनात कई आईपीएस अधिकारियों को अब महत्वपूर्ण पदों पर तैनाती दी गई है।

शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका ली वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिली। दिल्ली। आम आदमी पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने समयबद्ध तरीके से मेयर चुनाव कराने की मांग वाली अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली है। बता दें कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मेयर उम्मीदवार डॉ. शैली ओबरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दिसंबर में दिल्ली नगरपालिका के चुनाव हुए थे और तभी परिणाम भी आ गए थे। उसके बाद से अब तक मेयर के चुनाव नहीं हो सके हैं। जनवरी में दो बार 9 जनवरी और 24 जनवरी को मेयर चुनाव की तारीख तय की गई, लेकिन दोनों ही बार सदन हंगामे की भेंट चढ़ गया और चुनाव टल गए। शैली ओबेरॉय के याचिका दायर करने के तीन दिन बाद एमसीडी ने सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी थी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में लगी आग, यात्री सुरक्षित

कालीकट से अबू धाबी एयरपोर्ट पर वापस लौटा जहाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अबू धाबी से कालीकट जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान के बाएं इंजन में शुक्रवार (3 फरवरी) की सुबह उड़ान के दौरान आग लग गई। इसकी सूचना जैसे ही पायलट को मिली तो फ्लाइट को वापस हवाई अड्डे पर लैंड करवाया गया। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट के एक इंजन में अचानक आग लग गई थी और पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए प्लेन को दोबारा अबू धाबी एयरपोर्ट पर लैंड करवाया और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुताबिक, एयरक्राफ्ट बी-737-800 के इंजन में आग लगी थी। उड़ाने के दौरान ही फ्लाइट को वापस लौटने का निर्देश दिया गया। डीजीसीए ने भी मामले का संज्ञान लिया है जांच करने की बात कही। बता दें कि फ्लाइट के इंजन में आग लगने की घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं। पिछले साल 14 सितंबर को भी ऐसी ही एक घटना हुई थी। मस्कट हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक इंजन से धुआं निकलते हुए देखा गया था। चालक दल के छह सदस्यों के साथ विमान में 141 यात्री और चार बच्चे सवार थे।

डीजीसीए करेगा उचित कार्रवाई

इस पूरी घटना पर डीजीसीए के महानिदेशक अरुण कुमार ने कहा कि हम जांच करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। वहीं एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि मामले की जांच नियामक अधिकारियों और एयरलाइन के उड़ान सुरक्षा विभाग द्वारा भी की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।